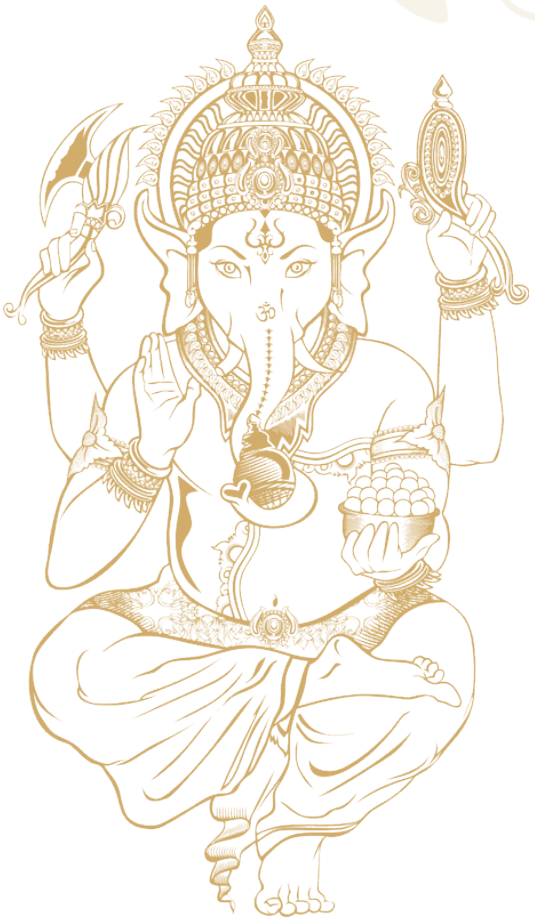

Satyam

31 Mar 2026

10:03 AM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121765402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/03/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:03:00 घंटे**
इष्ट	09:42:29 घटी
स्थान	**Hathras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:36:00 उत्तर
रेखांश	78:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:45:08 घंटे
वेलान्तर	-00:04:12 घंटे
साम्पातिक काल	22:19:25 घंटे
सूर्योदय	06:10:00 घंटे
सूर्यास्त	18:34:37 घंटे
दिनमान	12:24:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:15:03 मीन
लग्न के अंश	24:24:46 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:24:46	350:43:08	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			मीन	16:15:03	00:59:14	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	23:48:29	12:58:36	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	28:15:31	00:46:57	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	18:48:19	00:48:01	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मिथु	21:30:13	00:03:46	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	06:25:06	01:13:54	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:13:17	00:07:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:33:51	00:01:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:33:51	00:01:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:30:01	00:02:35	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:56:54	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:58:39	00:01:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	08:40:49	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

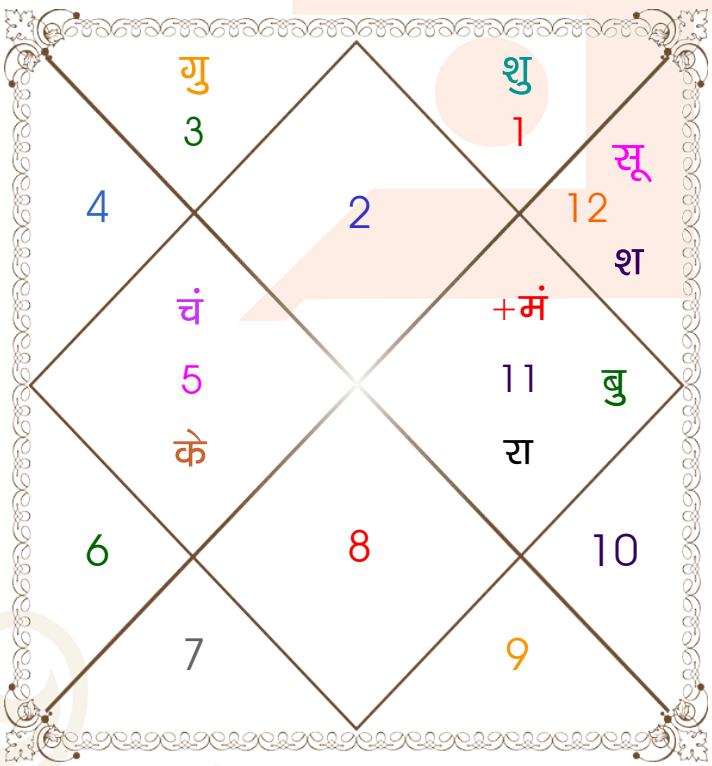

चन्द्र कुंडली

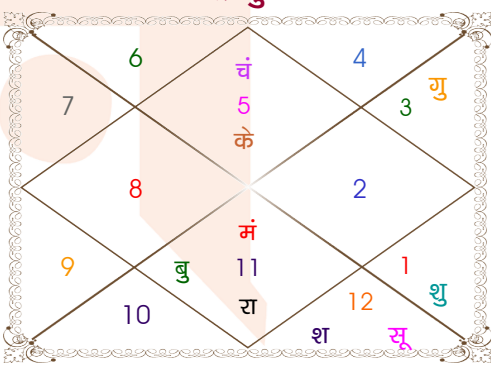

नवमांश कुंडली

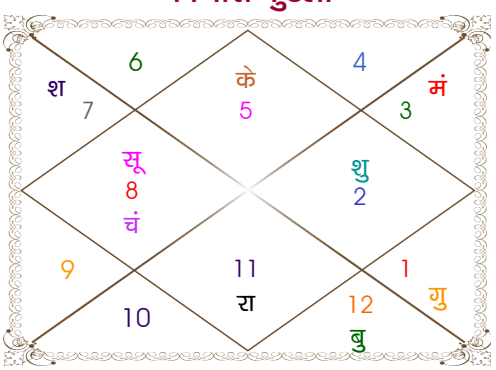

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 3 मास 13 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
31/03/2026		14/07/2030		14/07/2036		14/07/2046		14/07/2053	
14/07/2030		14/07/2036		14/07/2046		14/07/2053		14/07/2071	
	00/00/0000	सूर्य	01/11/2030	चंद्र	14/05/2037	मंगल	10/12/2046	राहु	26/03/2056
	00/00/0000	चंद्र	02/05/2031	मंगल	13/12/2037	राहु	29/12/2047	गुरु	20/08/2058
	00/00/0000	मंगल	07/09/2031	राहु	14/06/2039	गुरु	04/12/2048	शनि	26/06/2061
	00/00/0000	राहु	01/08/2032	गुरु	13/10/2040	शनि	12/01/2050	बुध	13/01/2064
	00/00/0000	गुरु	20/05/2033	शनि	14/05/2042	बुध	10/01/2051	केतु	30/01/2065
	31/03/2026	शनि	02/05/2034	बुध	14/10/2043	केतु	08/06/2051	शुक्र	31/01/2068
शनि	14/07/2026	बुध	08/03/2035	केतु	14/05/2044	शुक्र	07/08/2052	सूर्य	25/12/2068
बुध	14/05/2029	केतु	14/07/2035	शुक्र	12/01/2046	सूर्य	13/12/2052	चंद्र	26/06/2070
केतु	14/07/2030	शुक्र	14/07/2036	सूर्य	14/07/2046	चंद्र	14/07/2053	मंगल	14/07/2071

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
14/07/2071		14/07/2087		15/07/2106		15/07/2123		15/07/2130	
14/07/2087		15/07/2106		15/07/2123		15/07/2130		00/00/0000	
गुरु	01/09/2073	शनि	17/07/2090	बुध	11/12/2108	केतु	11/12/2123	शुक्र	14/11/2133
शनि	14/03/2076	बुध	26/03/2093	केतु	08/12/2109	शुक्र	10/02/2125	सूर्य	14/11/2134
बुध	20/06/2078	केतु	05/05/2094	शुक्र	08/10/2112	सूर्य	17/06/2125	चंद्र	15/07/2136
केतु	27/05/2079	शुक्र	05/07/2097	सूर्य	14/08/2113	चंद्र	16/01/2126	मंगल	14/09/2137
शुक्र	25/01/2082	सूर्य	17/06/2098	चंद्र	14/01/2115	मंगल	15/06/2126	राहु	13/09/2140
सूर्य	13/11/2082	चंद्र	16/01/2100	मंगल	11/01/2116	राहु	03/07/2127	गुरु	15/05/2143
चंद्र	14/03/2084	मंगल	25/02/2101	राहु	30/07/2118	गुरु	08/06/2128	शनि	01/04/2146
मंगल	18/02/2085	राहु	02/01/2104	गुरु	04/11/2120	शनि	18/07/2129		00/00/0000
राहु	14/07/2087	गुरु	15/07/2106	शनि	15/07/2123	बुध	15/07/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 3 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।